



**HCY-001-001369**

Seat No. \_\_\_\_\_

**B. A. (Sem. III) (CBCS) Examination**

**October/November – 2017**

**Hindi : Paper-V**

**(Optional) (Elective-1)**

**(Hindi Ka Nari Chetna Sampan Kavya : Kitne Prashn Karu)**  
**(Old Course)**

**Faculty Code : 001**

**Subject Code : 001369**

Time : 2½ Hours]

[Total Marks : 70

सूचना :

- (१) सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है ।  
(२) प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर दिये गये हैं ।

- १ ममता कालिया के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए । १४  
अथवा  
१ 'कितने प्रश्न करूँ' खण्ड काव्य के आधार पर राम के चरित्र पर प्रकाश डालिए । १४
- २ सिद्ध कीजिए कि 'कितने प्रश्न करूँ' एक सफल खण्ड काव्य है । १४  
अथवा  
२ 'कितने प्रश्न करूँ' खण्ड काव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए । १४
- ३ 'कितने प्रश्न करूँ' खण्ड काव्य में निरूपित इतिहास बोध की चर्चा कीजिए । १४  
अथवा  
३ "रामकथा और काव्य को मैं इतिहास नहीं मानती । मैं इसे एक अनुपम आख्यान मानती हूँ ।" इस कथन के आधार पर 'कितने प्रश्न करूँ' के इतिहास बोध पर प्रकाश डालिए । १४

- ४ 'कितने प्रश्न करूँ' खण्ड काव्य में निरूपित स्त्रीवादी चिंतन को स्पष्ट कीजिए । १४

अथवा

- ४ “ 'कितने प्रश्न करूँ' में ममता कालिया ने 'रामायण' के कथानक को केन्द्र में रखते हुए आधुनिक नारी जीवन की त्रासदी को निरूपित किया है ।' इस कथन की समीक्षा कीजिए । १४

- ५ टिप्पणियाँ लिखिए : (किन्हीं दो) १४

- (१) 'कितने प्रश्न करूँ' में मिथक ।
  - (२) 'कितने प्रश्न करूँ' की भाषा-शैली ।
  - (३) कितने प्रश्न करूँ के शीर्षक की सार्थकता ।
  - (४) 'कितने प्रश्न करूँ' खण्ड काव्य का उद्देश्य ।
-